

खल्लारी में सड़कों के विकास को मिली रफ्तार, 32.96 करोड़ से दो प्रमुख मार्ग होंगे चौड़े और मजबूत

भुरकोनी-सेखड़ादरहा और ओवराइबरी-कोमा-कोकदा-खसुपंली मार्ग को मिली मंजूरी, 18.25 किमी सड़क का होगा उन्नयन

महासमुंद्र/नवप्रदेश।

खल्लारी विधानसभा क्षेत्र में सड़क अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में बड़ी सौगात मिली है। खल्लारी विधायक एवं पूर्व संसदीय सचिव द्वारिकाधीश यादव के प्रयासों से दो महत्वपूर्ण सड़क मार्गों के



किसानों और विद्यार्थियों को मिलेगा सीधा लाभ

दोनों प्रमुख मार्गों के उन्नयन से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुगम होने की उम्मीद है। सड़कें बेहतर होने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी, वहीं विद्यार्थियों और नौकरी-पेशा लोगों के लिए रोजना का आवागमन आसान होगा। ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है।

चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए कुल 32 करोड़ 96 लाख 43 हजार रुपए की शासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों से

लंबे समय से थी सड़क सुधार की मांग

इन मार्गों के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। सड़क कार्यों की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के ग्रामीणों और आम नागरिकों ने खुशी जताते हुए विधायक द्वारिकाधीश यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़कें मजबूत और चौड़ी होने से आवागमन के साथ-साथ क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी।

कुल 18.25 किलोमीटर सड़क का



उन्नयन होगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में

मिली है। यह कार्य वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल है।

विधायक बोले- मूलभूत सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता

विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि खल्लारी विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई सहित मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के

साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों सड़क परियोजनाओं की स्वीकृति क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दो प्रमुख मार्गों के लिए मिली 32.96 करोड़ रुपए की स्वीकृति को खल्लारी विधानसभा क्षेत्र में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा रहा है।

न्यूज गैलरी

6 अक्टूबर को टाउन हॉल में होगा युवा उड़ान का आयोजन

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में युवाओं को प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत विजन 2047 से जोड़ने तथा विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के संयुक्त तत्वाधान में युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यालय कलेक्टर (खेल एवं युवा कल्याण विभाग) से प्राप्त जनकारी के अनुसार यह कार्यक्रम 06 अक्टूबर को दोपहर 12:00 बजे से टाउन हॉल बेमेतरा में आयोजित होगा। कार्यक्रम में युवाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जिले के मेधावी विद्यार्थी, महाविद्यालयीन प्रवीण छात्र, कला, साहित्य, सांस्कृतिक एवं खेल क्षेत्र में राज्य/राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी, खेल अकादमियों के प्रशिक्षणार्थी, छत्रच्छा/च्छा की तैयारी कर रहे अथर्वथी, इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पॉलिटेक्निक एवं दृष्टबद्ध के विद्यार्थी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, सामाजिक कार्यकर्ता, कौशल विकास प्रशिक्षणार्थी, छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थी, दिव्यांगजन एवं आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली युवाओं को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञों द्वारा युवाओं के साथ संवाद, प्रश्नोत्तर एवं सुझाव सत्र आयोजित होंगे। परिचर्चा के प्रमुख विषय केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए संचालित विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाएं, वन नेशन वन इलेक्शन तथा विकसित छत्तीसगढ़ से विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका होंगे।

बुचिपुर में चला स्वच्छता का अभियान

बेमेतरा/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा संघ द्वारा माँ महामाया धाम बुचिपुर में भव्य स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। युवा संघ के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों एवं समस्त ग्रामवासियों ने एक साथ श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर, पंचायत परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। आस्था के केंद्र में युवाओं को झाड़ू लगाते देख ग्रामीणों में भी जबदस्त उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में युवा संघ विजय वर्मा ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। उन्होंने कहा कि युवा संघ द्वारा अभियान के तहत स्वच्छता सहित 13 प्रमुख सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्वच्छता किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी दैनिक आदत और सामूहिक जिम्मेदारी बननी चाहिए। ओमकार साहू ने कहा कि माँ महामाया धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, ऐसे धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। युवा संघ सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में लगातार सक्रिय है। कार्यक्रम में रामसागर साहू, रानी साहू, मखनपुर संतु साहू, कुंवा बलराम यादव, सचिव राजकुमार साहू, रोजगार सहायक खेमराम ध्रुव, नरेश वर्मा, सुरेश वर्मा, जीवन डेहेरे, गया वर्मा, अनीता साहू सहित बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पुलिस ने की आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई

बेमेतरा/नवप्रदेश। थाना बेमेतरा, नांदघाट, खम्हरिया, चंदनू एवं चौकी देवकर, कंडरका, खण्डसरा पुलिस टीम के द्वारा जरिये मुखबिर से सूचना पर जिले के विभिन्न स्थानों वार्ड नं. 12 जिला अस्पताल के पीछे सिंघौरी बेमेतरा, ग्राम अकोली चौक थाना नांदघाट, बड़े पुल के नीचे नांदघाट, वार्ड नं. 14 शमशाण घाट नदी के पास खम्हरिया, खिसौरा डामर खांट के सामने नारधी रोड किनारे मैदान, तेलीमठ नाला के पास ग्राम आंठु थाना चंदनू, ग्राम हरदी चौक रोड किनारे एवं ग्राम करचुवा से सेमरिया रोड पुलिस मोड के पास में 08 आरोपियों को अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री करते पकड़ा गया। कब्जे से 108 पौवा कर्मती 11,680 रुपये एवं व बिक्री रकम 2,290 रुपये सहित कुल जुमला लाभग 13,970 रुपये को जप्त कर आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

एसपी ने आधी रात चौकी खण्डसरा का किया निरीक्षण

बेमेतरा/नवप्रदेश।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा त्रिलोक बंसल ने देर रात पुलिस चौकी खण्डसरा पहुंचकर चौकी की व्यवस्थाओं एवं पुलिस ड्यूटी का निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात अधिकारी एवं कर्मचारी मुस्तैद पाए गए। एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी एवं जवानों को सदैव सतर्क एवं सुरक्षित रहकर ड्यूटी करने तथा सुस्था संबन्धी महत्वपूर्ण आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने चौकी के अधिलेखों, जनरल डायरी, ड्यूटी रजिस्टर, लॉबित अपराध, मर्ग, गुम ईसान, शिकायतों एवं जल्ती माल की समीक्षा की। उन्होंने सभी लॉबित प्रकरणों एवं शिकायतों का प्राथमिकता के साथ शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ःअनुशासन ही पुलिस व्यवस्था की बुनियाद हैः, इसलिए ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान पुलिस चौकी प्रभारी खण्डसरा सहायक उप निरीक्षक कंवल सिंह नेताम, शशांक शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



सौएम को भेजा गया था लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर के गुणवत्ताहीन कार्य का शिकायत पत्र, जांच में विधायक कार्यालय ने पत्र को बताया फर्जी

महासमुंद्र/नवप्रदेश। सरायपाली विधायक चातुरी नंद के नाम और लेटरहेड का कथित तौर पर फर्जी इस्तेमाल कर लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर के खिलाफ मुख्यमंत्री को शिकायत भेजने का मामला सामने आया है। विधायक कार्यालय की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटचरना से

गौसेवा, गौ आहार, स्वच्छता और परिसर विकास को लेकर बनी ठेस कार्ययोजना

श्री कृष्ण गौशाला पिंजरापोल में नई कार्यकारिणी ने संभाली कमान

दीपावली से पूर्व गौशाला के पूरे प्रांगण को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुसज्जित करने का लक्ष्य



महामंत्री श्री श्रेयस भैया, सहमंत्री श्री विवेक मोनू भंडारी एवं श्री विनय रिकू बंसल, कोषाध्यक्ष श्री सोनू नरेड़ी तथा सह-कोषाध्यक्ष श्री रितेश पचेरिवाल एवं श्री मनीष दरगड़ को जिम्मेदारी सौंपी गई।

गौशाला के विभिन्न कार्यों के लिए विभागवार प्रभार भी निर्धारित किए गए। दुग्ध प्रबंधन एवं जीविक मोनू भंडारी को दी गई। गौ आहार एवं चारा प्रबंधन का दायित्व श्री गोविंद चोपड़ा, श्री सोनू नरेड़ी, श्री श्रेयस भैया, श्री प्रकाश अग्रवाल एवं श्री राजू भूत को सौंपा गया। गौसेवा एवं संरक्षण, स्वच्छता, पारदर्शिता, बेहतर आहार व्यवस्था और सुव्यवस्थित संचालन को गौशाला की आगामी कार्ययोजना

श्री कृष्ण गौशाला पिंजरापोल में नई कार्यकारिणी ने संभाली कमान

दीपावली से पूर्व गौशाला के पूरे प्रांगण को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं सुसज्जित करने का लक्ष्य

महामंत्री श्री श्रेयस भैया, सहमंत्री श्री विवेक मोनू भंडारी एवं श्री विनय रिकू बंसल, कोषाध्यक्ष श्री सोनू नरेड़ी तथा सह-कोषाध्यक्ष श्री रितेश पचेरिवाल एवं श्री मनीष दरगड़ को जिम्मेदारी सौंपी गई।

गौशाला के विभिन्न कार्यों के लिए विभागवार प्रभार भी निर्धारित किए गए। दुग्ध प्रबंधन एवं जीविक मोनू भंडारी को दी गई। गौ आहार एवं चारा प्रबंधन का दायित्व श्री गोविंद चोपड़ा, श्री सोनू नरेड़ी, श्री श्रेयस भैया, श्री प्रकाश अग्रवाल एवं श्री राजू भूत को सौंपा गया। गौसेवा एवं संरक्षण, स्वच्छता, पारदर्शिता, बेहतर आहार व्यवस्था और सुव्यवस्थित संचालन को गौशाला की आगामी कार्ययोजना



दम्माणी एवं श्री राजू भूत संभालेंगे। परिसर प्रबंधन एवं स्वच्छता का दायित्व श्री राजू छजेड़, श्री विजय चौराड़िया, श्री राजू भूत, श्री रितेश पचेरिवाल एवं श्री गोपाल दम्माणी को तथा जनसंपर्क एवं समन्वय की जिम्मेदारी श्री गोविंद चोपड़ा, श्री राजू छजेड़, श्री विजय चौराड़िया, श्री रितेश पचेरिवाल एवं श्री विवेक मोनू भंडारी को दी गई।

बैठक में प्रत्येक प्रभारी के कार्यक्षेत्र की स्पष्ट जवाबदेही तय करने और कार्यों की नियमित समीक्षा करने का निर्णय लिया गया। गौसेवा एवं संरक्षण, स्वच्छता, पारदर्शिता, बेहतर आहार व्यवस्था और सुव्यवस्थित संचालन को गौशाला की आगामी कार्ययोजना

बैंक खाता खुलवाने का झांसा देकर साइबर ठगी का नेटवर्क

20 हजार रुपए कमीशन का लालच देकर ग्रामीणों के खाते खुलवाते थे आरोपी

महासमुंद्र/नवप्रदेश। बैंक खाता खुलवाने के नाम पर ग्रामीणों को 20 हजार रुपए तक कमीशन का लालच देकर उनके बैंक खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड हासिल कर साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते वाले गिरोह के मुख्य आरोपी को बसना पुलिस ने आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी बी. लक्ष्मणा डेरा को 2 अक्टूबर को आंध्रप्रदेश के पोलावरम से घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी के खिलाफ बसना थाने में धारा 318(4), 319(2), 3(5), 317(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार ग्राम मनकी निवासी राजकुमार थाने ने 20 अगस्त को बसना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि ओडिशा निवासी सुनील दुर्गा और थिमोथी छत्ररिया ने उसे और अन्य ग्रामीणों को बैंक खाता खुलवाने पर 20 हजार रुपए तक कमीशन दिलाने का झांसा दिया था। ग्रामीणों के खाते



एटीएम-चेकबुक और सिम साइबर अपराधियों को बेचकर कराते थे भारी लेन-देन

खुलवाने के बाद आरोपियों ने कंपनी में वेरिफिकेशन कराने की बात कहकर उनके एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए और बाद में इन्हें साइबर अपराधियों को बेच दिया।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने सुनील दुर्गा, थिमोथी छत्ररिया और हेमलाल चौहान को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे आंध्रप्रदेश निवासी बी. लक्ष्मणा और चंद्राव के कहने पर ग्रामीणों के बैंक खाते खुलवाकर उन्हें उपलब्ध कराते थे। इसके बदले उन्हें कमीशन मिलता था। पुलिस जांच में सामने आया कि इन बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड, शेयर ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े बड़े पैमाने के पैसों के लेन-देन के लिए किया जा रहा था।

यानी ग्रामीणों के नाम पर खोले गए बैंक खाते साइबर अपराधियों के आधार पर बसना पुलिस ने आंध्रप्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले में सतिश टिकानों पर दबिश दी। लगातार पतासाजी के बाद पुलिस टीम ने 2 अक्टूबर को, पोलावरम में घेराबंदी कर बी. लक्ष्मणा डेरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों तथा साइबर अपराध में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों और लेन-देन की जानकारी जुटा रही है।

विधायक के नाम से फर्जी लेटरहेड बनाकर इंजीनियर की शिकायत

सौएम को भेजा गया था लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर के गुणवत्ताहीन कार्य का शिकायत पत्र, जांच में विधायक कार्यालय ने पत्र को बताया फर्जी

महासमुंद्र/नवप्रदेश।

सरायपाली विधायक चातुरी नंद के नाम और लेटरहेड का कथित तौर पर फर्जी इस्तेमाल कर लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर के खिलाफ मुख्यमंत्री को शिकायत भेजने का मामला सामने आया है। विधायक कार्यालय की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और कूटचरना से



संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार विधायक चातुरी नंद के निज सहायक विभीषीन चौहान ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि विधायक के आधिकारिक लेटरहेड का डुप्लीकेट तैयार कर उसका इस्तेमाल करते

नवरात्रि से पहले युवाओं ने संभाली स्वच्छता की कमान

आजाद चौक में संगम समिति की पहल, बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

सिमगा/नवप.दे.शा। बलौदाबाजार जिले के सिमगा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत मनहोरा के आजाद चौक में नवरात्रि पर्व के आगमन से पहले युवाओं ने स्वच्छता का संदेश देते हुए साफ-सफाई अभियान चलाया। मां भवानी के स्वागत की तैयारी के रूप में संगम समिति के सदस्यों ने आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की सुंदर पहल की। अध्यक्ष श्री गोविंदलाल चोपड़ा ने सभी सदस्यों से समन्वय एवं सहयोग के साथ कार्य करते हुए गौशाला को बेहतर व्यवस्थाओं के साथ विकसित करने का आह्वान किया।

धान खरीदी केन्द्रों पर किसान कांग्रेस की रहेगी पैनी नजर

पिथौरा में जिला किसान कांग्रेस की बैठक; सभी खरीदी केंद्रों में निगरानी समितियों के गठन और किसानों की समस्याओं के त्वरित निराकरण पर बनी कार्ययोजना

महासमुंद्र/नवप्रदेश।

आगामी धान खरीदी सीजन को लेकर महासमुंद्र जिला किसान कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। किसानों को धान बेचने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो और खरीदी प्रक्रिया सुचारु एवं पारदर्शी तरीके से संचालित हो, इसके लिए जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में निगरानी समितियों को सक्रिय करने का निर्णय लिया गया है। इसी मुद्दे को लेकर जिला किसान कांग्रेस कमेटी महत्वपूर्ण बैठक पिथौरा स्टेट हाउस में आयोजित की गई।

बैठक में प्रदेश किसान कांग्रेस के संभागा प्रभारी दीपक पंडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी धान खरीदी सीजन की तैयारियों, खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं तथा किसानों की संबंधित समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि खरीदी के दौरान केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और उनकी समस्याओं का मौके पर



किसानों की समस्याओं पर सक्रिय रहेगी किसान कांग्रेस

जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मानिक साहू ने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों की समस्याओं को लेकर सजग है। धान खरीदी के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी खरीदी केंद्रों में निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाएगा। समितियां किसानों से जुड़ी समस्याओं पर नजर रखेंगी और जरूरत पड़ने पर उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर पहल करेंगी। बैठक में जिला पंचायत सदस्य मोक्ष

हर खरीदी केंद्र पर निगरानी की तैयारी
बैठक में जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों में निगरानी समितियों के गठन एवं विस्तार को लेकर कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। समितियों के माध्यम से खरीदी प्रक्रिया पर नजर रखने, किसानों की शिकायतों और समस्याओं को सामने लाने तथा संबंधित स्तर पर उनके निराकरण के लिए पहल करने की बात कही गई। किसान कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि धान खरीदी किसानों के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। ऐसे में खरीदी केंद्रों पर व्यवस्था, पारदर्शिता और किसानों की सुविधा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। कार्यकर्ताओं ने खरीदी अवधि के दौरान केंद्रों में नियमित रूप से निगरानी रखने और किसानों के हित से जुड़े मुद्दों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाने का संकल्प लिया।

ही त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सेवा सेतु शिविर में तीन लोगों ने लिया देहदान का संकल्प

महासमुंद्र/नवप्रदेश। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को महासमुंद्र विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोसरगी में आयोजित सेवा सेतु शिविर में सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल देखने को मिली। शिविर में तीन लोगों ने देहदान का संकल्प लिया। इस पुनीत निर्णय के लिए विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने उन्हें शॉल, श्रीमन्त एवं गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया। शिविर में विधायक सिन्हा ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध सामग्री के साथ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों तक उनका लाभ पहुंचने की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों से पात्रतानुसार शासकीय योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। 2 से 8 अक्टूबर तक आयोजित हो रहे दान उत्सव के तहत देहदान के संकल्प को महत्वपूर्ण पहल बताते हुए विधायक सिन्हा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दान और सेवा की परंपरा सदियों पुरानी है।

सुविचार

सुखी वो नही जिसके पास सब कुछ है, सुखी वो है जिसके पास संतुष्टि है : अज्ञात

पुरुषों के खिलाफ नारेबाजी के मायने

देश की राजधानी नई दिल्ली पर एक यूनिवर्सिटी की हजारों छात्राओं ने पुरुषों के खिलाफ नारेबाजी कर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक कचौड़ी दो समोसा, मर्दों का क्या भरोसा से लेकर एक सुझो दो चाय, मर्द जात हाय-हाय तक कई नारे गढ़े गए हैं। क्रिया की प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। पुरुषों ने भी लगे हाथ महिलाओं के खिलाफभी इससे मिलते जुलते नारे बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसे देखकर लगता है मानो दोनों के बीच अंताक्षरी चल रही है या फिर कच्चाली का मुकाबला हो रहा है। छात्राओं द्वारा ईजाद किए गए नारों का बहुत से लोग समर्थन कर रहे हैं तो बहुत सारे लोग इसका विरोध कर रहे रहे हैं। लोग समझ नहीं पा रहे हैं कि पुरुषों के खिलाफ इस तरह के नारों के मायने आखिर क्या हैं? इन नारों का विरोध करने वालों का तर्क है कि कुछ मर्दों की काली कर्तूत के लिए पूरी पुरुष जाति पर आक्षेप लगाना गलत है। जो लड़कियां इस तरह के नारे लगा रही हैं क्या उनके घर में भाई या बाप नहीं हैं? यदि हाँ तो क्या उन्हें अपने भाई और पिता पर भी भरोसा नहीं है। सीमा की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले फौजी भी पुरुष हैं क्या इन फौजियों पर भी लड़कियों को भरोसा नहीं है? वहीं दूसरी ओर ऐसा नारा लगाया वाली छात्राओं और उनका समर्थन करने वाले यह तर्क दे रहे हैं कि यह नारे सभी पुरुषों के लिए नहीं है बल्कि उन पुरुषों के खिलाफ है जो महिलाओं को अपमानित और प्रताड़ित करते हैं। यदि ऐसा है तो नारे में स्पष्टता होनी चाहिए। नारे तो ऐसे गढ़े गए हैं मानो पूरी पुरुष जाति ही अपराधी है। यह ठीक है कि पुरुष प्रधान अस समाज में आज भी महिलाओं को उपेक्षा का दर्श झेलना पड़ रहा है। उनके साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। महिलाओं के प्रति हिंसा और अपराध के मामले भी बढ़ रहे हैं। महिलाएं खुद को घर और बाहर कहीं भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं लेकिन इसके लिए पूरी पुरुष जाति पर आक्षेप नहीं लगाना चाहिए। पिता, पति, भाई और दोस्त के रूप में वही पुरुष महिलाओं की रक्षा भी तो करता है। भारतीय संविधान ने पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार दिए हैं। महिलाओं के प्रति समाज का नजारा भी बदल रहा है। महिलाओं के प्रति हिंसा रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान भी किए गए हैं। इसके बावजूद महिलाएं अपमानित और किसी भी रूप में प्रताड़ित हो रही हैं तो उन्हें अन्याय और अत्याचार का विरोध करने का पूरा अधिकार है। उन्हें अपनी लड़ाई लड़ने के लिए आगे आना भी चाहिए लेकिन पूरी पुरुष जाति को कटघरे में नहीं खड़ा चाहिए।

सरकारी स्कूलों के दिन बहुरने की उम्मीद

छत्तीसगढ़ में सरकारी स्कूलों में एक बड़ी समस्या अध्ययन कक्षों की कमी रही है। साल दर साल विद्यार्थियों की संख्या तो बढ़ती जाती है लेकिन उस अनुपात में अतिरिक्त कमरे नहीं बन पाते। नतीजतन विद्यार्थियों को जर्जर शाला भवनों के खस्ताहाल कमरों में पढ़ाई करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। बहरहाल अब प्रदेश के बदहाल सरकारी स्कूलों के दिन बहुरने की उम्मीद बंधी है। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण अब वीबी जी राम जी की सहयता से हो सकेगा। इसके अंतर्गत स्कूलों में अतिरिक्त कक्ष के निर्माण के लिए एक लाख रुपये तक की राशि प्रदान की जाएगी। इस संदर्भ में वीबी जी राम जी के आयुक्त एवं लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्कूलों में अतिरिक्त कमरों की आवश्यकता के बारे में स्कूल वार सूची लोक शिक्षण संचालनालय उपलब्ध कराएगा। इसके बाद ग्राम सभा के अनुमोदन के पश्चात अतिरिक्त कक्ष का निर्माण शुरू कराया जाएगा। निश्चित रूप से इससे सरकारी स्कूलों में स्थानाभाव की समस्या काफी हद तक दूर हो जाएगी। इसके साथ ही सरकार को चाहिए कि वह बाबा आदम के जमाने के पुराने जर्जर स्कूलों की भी सुध ले जो खंडहर के रूप में पतली हो रहे हैं और वहां छात्र छात्राएं अपनी जान हथेली पर रखकर पढ़ने के लिए विवश हैं। आज दिन ऐसे जर्जर शाला भवनों की छत टूटकर गिरने से कई छात्रों के हलाहल होने की खबरे सामने आती रहती हैं। कई जगह स्थिति यह है खुद का शाला बनाने कठम होने के कारण किराए के मकानों में कक्षएं संचालित करने की नौबत आ गई है जहां छात्र छात्राओं को शैक्षणिक वातावरण नहीं मिल पाता और पढ़ाई करने में भी भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। नतीजतन लोगों का सरकारी शालाओं से मोहभंग होने लगा है और वे निजी स्कूलों का रुख करने लगे हैं। सरकार को चाहिए कि वह खंडहर नुमा पुराने शाला भवनों की जगह नये शाला के निर्माण के लिए भी इसी तरह की पहल करे ताकि सरकारी स्कूलों की उपयोगिता कायम रहे।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1793 - फ्रांसीसी क्रांति के दौरान फ्रांस में ईसाई धर्म विस्थापित हुआ। 1796 - स्पेन ने इंग्लैंड के खिलाफ युद्ध की घोषणा की। 1805 - भारत में ब्रिटिश राज के दूसरे गवर्नर जनरल व कमांडर इन चीफ़लार्ड कार्नवालिस का गाजीपुर में निधन। 1864 - कलकत्ता शहर में चक्रवात से लगभग 50,000 लोगों की मौत। 1915 - बुल्गारिया ने प्रथम विश्व युद्ध में हिस्सा लिया। 1946 - पहले कान फिल्म समारोह का समापन। 1948 - तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्काबात में भूकंप से 110,000 लोगों की मौत। 1962 - जेम्स बॉन्ड सीरीज की पहली फिल्म 'डॉ. नो' रिलीज हुई। 1988 - ब्राजील की संविधान सभा ने संविधान को मंजूरी दी। 1989 - न्यायमूर्ति मीरा साहिब फ़तिमा बीबी सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज बनीं। 1995 - आयरलैंड के कवि एवं साहित्यकार हेन्री को वर्ष 1995 के साहित्य पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा। 1997 - राजधानी कम्पाला से नील नदी को स्रोत निज्मा में प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया, भारतीय टैनिस् खिलाड़ी लिण्डै पेंस तथा महेश भूपति ने जिम क्रूरियर तथा एलेक्स ओ ब्रायन को पराजित कर 'चाईना ओपन टैनिस् टूर्नामेंट' का खिताब जीता। 1999 - भारत ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर होने वाली विशेष बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया। 2000 - यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति मिलोसेविच के ख़िलाफ़ विद्रोह।

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

मेघ: आज दिन के कुछ समय को छोड़ शेष समय अशुभ फलदायी रहेगा। दिन के आरम्भ से ही विवाद का मय रहेगा आज किसी की बातों में ना आए अन्वया दांपत्यजीवन में कलह-व्लेश हो सकता है। **घुष**: आज का दिन आपको अनुकूल फल देगा। आज आपका स्वभाव एवं व्यवहार बनावटी रहेगा दिखावा अधिक पसंद करेगे। **मिशुन**: आपका आज का दिन आनंददायक रहेगा। आज के दिन आपका बुद्धि विवेक जागृत रहेगा प्रत्येक कार्य सौख समझ कर ही करेंगे। **कर्क**: आज का दिन प्रतिकूल रहने से लगभग सभी कामों में अड़चन आएंगी। पूर्व में किये निवेश का धन पसने अथवा हानि

होने से मानसिक व्याकुलता रहेगी। **सिंह**: आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। दिन के पूर्वार्ध में समाज के श्रेष्ठ लोगों से पहचान होगी परन्तु घर के ही किसी सदस्य को इससे परेशानी होसकती है फिर भी निकट भविष्य को देखते हुए लाभदायक रहेगी। **कन्या**: आज आपका दिन का अधिकांश भाग कार्य करते हुए भी आनंद, मनोरंजन में बीतेगा। कार्य क्षेत्र पर कई दिनों से बन रही बाधाएं दूर होने से नए प्रयोग अपनाएंगे। **तुला**: आज दिन आपके लिए आपके लिए लाभदायी रहेगा। आज प्रातःकाल के समय दिनचर्या थोड़ी सुस्त रहेगी लेकिन मध्यान आते आते गति पकड़ लेगी। **वृश्चिक**: आज का दिन आपके लिए उतार चढ़ाव से भरा रहेगा। दिन के आरम्भ से ही किसी अन्य के काम से भाग दौड़ करनी पड़ेगी फिर भी तुरंत कोई निष्कर्ष ना निकलने पर मायूस होंगे।

धनु: आज आप का दिन लाभदायक सिद्ध होगा। आज भौतिक सुख के साधनों से वृद्धि होगी इसके ऊपर खर्च भी बजट से ज्यादा होगा फिर भी आज व्यापार में उन्नति के साथ-साथ पुराने रुके धन की उगाही होने पर खर्च अखरेगा नहीं। **मकर**: आज का दिन आपको मिला-जुला फल देगा। आज दिन के आरम्भ से ही बे फ़िल्टर की मानसिक दुविधाओं और उलझनों के कारण कार्य में उत्साह नहीं रहेगा। **कुम्भ**: आज आपका दिन अशुभ फलदायी रहेगा। आज आपका प्रातः काल से ही धन लाभ की संभावनाएं बनने लगेंगी लेकिन टलते टलते मध्यान के आस पाँच ही हो जाएगी। **मीन**: आपका आज का दिन अशुभ फलदायी रहेगा। पूर्व में बढ़ती लापरवाही एवं असंयमित खान-पान एवं कार्य की अधिकता के कारण सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। सर पेट, कमर, घुटनों की समस्या रहने से बेचनी रहेगी।



डॉ. शिवेन्द्र बहादुर भूगोलनिगद उत्तर बस्तर कोटेर

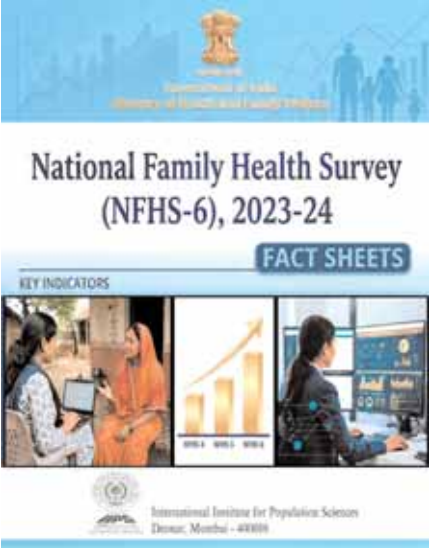
राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-6), 2023-24 की रिपोर्ट ने छत्तीसगढ़ के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य विकास की एक नई तस्वीर प्रस्तुत की है। वर्ष 2019-21 में प्रकाशित हस्सा-5 की तुलना में राज्य ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन साथ ही कुछ ऐसे संकेतक भी सामने आए हैं जो भविष्य के लिए गंभीर चिंता पैदा करते हैं। इस रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि छत्तीसगढ़ अब केवल कुपोषण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य जैसी पारंपरिक चुनौतियों से नहीं जूझ रहा है, बल्कि बदलती जीवनशैली, गैर-संचारी रोगों और सामाजिक व्यवहार से जुड़ी नई समस्याओं का भी सामना कर रहा है। इसलिए यह रिपोर्ट केवल उपलब्धियों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों की विकास नीति के लिए एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक भी है।

रिपोर्ट का सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में दिखाई देता है। राज्य में स्वास्थ्य बीमा का दायरा पिछले सर्वेक्षण की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। हस्सा-5 में जहां केवल 71.4 प्रतिशत परिवार किसी न किसी स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़े थे, वहीं NFHS-6 में यह आंकड़ा बढ़कर 90.5 प्रतिशत हो गया है। 19.1 प्रतिशत भारत की यह वृद्धि बताती है कि आयुष्मान भारत योजना और राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं का

लाभ अब पहले की तुलना में कहीं अधिक परिवारों तक पहुंचा है। इससे गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम हुआ है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। गर्भावस्था की पहली तिमाही में प्रसवपूर्व जांच कराने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ी है। प्रसवपूर्व कम से कम चार बार जांच कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत भी पहले की तुलना में काफी बढ़ा है। सबसे उल्लेखनीय सुधार गर्भावस्था के दौरान 180 दिनों या उससे अधिक समय तक आयरन-फोलिक एसिड की गोलियां सेवन करने वाली महिलाओं में देखा गया, जिनका प्रतिशत लगभग दोगुना हो गया है। इन सुधारों का सीधा संबंध मातृ मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और कम वजन वाले बच्चों के जन्म में कमी से है। यह संकेत देता है कि स्वास्थ्य विभाग की सेवाएं अब गांवों तक पहले की तुलना में अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ ने सकारात्मक प्रगति की है। दस या उससे अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाली महिलाओं का प्रतिशत बढ़ा है, वहीं पुरुषों की शैक्षणिक स्थिति में भी सुधार दर्ज किया

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रिपोर्ट : छत्तीसगढ़ की प्रगति और चुनौतियां

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (NFHS-6), 2023-24 की रिपोर्ट 29 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी की गई। यह केवल एक स्वास्थ्य सर्वेक्षण नहीं, बल्कि भारत में स्वास्थ्य, पोषण, मातृ एवं शिशु कल्याण तथा सामाजिक विकास की वास्तविक स्थिति का आंकलन करने वाला सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास की स्थिति कैसी है, इसे जानना एवं समझना महत्वपूर्ण है जो राज्य की वर्तमान उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य के विकास की दिशा को समझने की दृष्टि से अत्यंत कारगर है।



गया है। इंटरनेट का उपयोग करने वाली महिलाओं की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है, जबकि पुरुषों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। महिलाओं के बैंक खातों और स्वयं के मोबाइल फ़ोन के उपयोग जैसे संकेतकों में सुधार यह दर्शाता है कि राज्य में महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भागीदारी लगातार मजबूत हो रही है। धरलू निर्णयों में महिलाओं की सहभागिता पहले से बेहतर हुई है और मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य साधनों का उपयोग भी बढ़ा है। यह परिवर्तन केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में बदलाव का भी संकेत है।

युवा जनसंख्या, जेन जी पर राष्ट्र बोध की वैचारिकता जरूरी



तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चमन अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य शिक्षा की और लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता

का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करनी इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफसे पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लागती है। यही वजह है कि जिन भी बड़े लोगों ने बड़ी सफलता प्राप्त की है निस्संदेह उन्होंने कठिन परिश्रम अपने लक्ष्य के लिए किया था, है और करेगा। हर बड़े कार्य को करने के लिए अच्छी योजना ,अच्छ आकलन एवं उस सफलता को अपना बनाने के लिए सही विचार तथा नीतियां बनानी होगी एवं अपने उपलब्ध संसाधनों का विश्लेषण तथा अवलोकन कर उसकी क्षमता का आकलन करना होगा। केवल हवा में सकारात्मक सोच और मनोबल के दम पर किसी बड़े लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। उत्तम एवं बड़े सकारात्मक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक बड़ी सोच

अथक मेहनत एक सुनियोजित नीति एवं पृष्ठभूमि में शांत चित्त मस्तिष्क की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम हमारे सामने जो उपलब्ध वर्तमान का समय है वर्तमान के अवसर संपूर्ण सदुपयोग कर भविष्य की तमाम सफलताओं को सुनिश्चित किया जा सकता है। हमें सदैव समयका रहकर जो हमारे सामने समय सीमा है एवं समय के अवसर हैं उन्हें पहचान कर उसका संपूर्ण दोहन कर उपलब्ध संसाधनों का परीक्षण कर समेकित रूप से सब का समुचित उपयोग कर लक्ष्य की प्राप्ति की ओर जागृत होना चाहिए। जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा की करोना काल में हमें आपदा में अवसर की तलाश करनी चाहिए और अवसर ही हमें किसी भी विपत्त परिस्थिति से लड़ने एवं उस पर नियंत्रण रखने की शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह सकारात्मक सोच का ही परिणाम है की कोविड-19 के संक्रमण में भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में उस पर प्रभावी नियंत्रण किया एवं उस पर विजय प्राप्त की है। यह आसान काम नहीं था किंतु पूरे देश के नागरिकों एवं अग्रिम नेताओं की सकारात्मक सोच तैयारी एवं संसाधनों के समुचित प्रयोग से ही संभव हो पाया। आज हमारे सामने समाज में जो भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं, वे कभी चुनौतियों के सामने झुके नहीं आ ना ही उन्हें किसी प्रकार की समाजिक कठिनाई अथवा चुनौती झुका पाई और यही कारण है की वह हमारे प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं।

पाठकों की बात



मेरे ख्वाबों में मैं होता हूँ, एक अनन्त आकाश होता है, मेरी आँखों में सूरज सी चमक होती है, मेरे जिस्म में ऊर्जा का भंडार होता है, मेरे जिस्म में उजली सी चमक निकल रही होती है, मेरे ख्वाबों में मैं होता हूँ, मुझमे मेरी रूह की मौजूदगी होती है, मेरी पीठ पर निकले पर होती है, उजली सी मेरी तबखीर होती है, मेरे ख्वाबों में मैं होता हूँ, न कोई जंजीर होती है, न कोई रोक होती है, मेरे ख्वाबों में मैं होता हूँ, हर बंधन से मुक्त, स्वंत्रत उड़ती मेरी रूह होती है।

- नमन कुमार मिश्रा

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



वापसी का सफ़र बड़ा कठिन होता है, न राह कटती है, न कोई मुकाम आता है। सिर पर बोना पड़ता है खोए हुए रिश्तों का बोझ, और मन की गहराइयों में टूटे हुए सपनों की फेहरिस्त चुपचाप सुलगती रहती है।

- सरिता सेल



अजनबी राहें अंजानी मंजिल मिला वो अजनबी मुसाफिर मासूम चेहरा कुछ गहरी आँखें बिखरे-बिखरे बाल अचानक से साथ चलते चलते एक छोटी-सी मूलाकात थोड़ी सी बातें कुछ अपनी कुछ उसकी थोड़ा सा अपनापन थोड़ा सा प्यार जिन्दगी भर के बहुत सा सुकून और... उम्र भर के लिये मधुर स्मृति दे जाते हैं...!!- डॉ. अर्चना खण्डेलवाल



मुस्कुराते हुए देखा करती हूँ अब मैं - अतीत का चलचित्र, पक्षियों ने दिये हैं सुझे पंख भविष्य की उड़ानों के लिए और सिखाया है अब जीना, तुम अक्वल हो बेशक हर हुनर में और रहोगे भी सदा है यह गुमान भी तो तुम्हें, परंतु मेरी जीत निश्चित है अब कि तुम्हें अब जीना कल भी न आया था और न कल ही आयागा क्योंकि तुम आलिस हो और मैं तो हूँ बेवकूफ तुम्हारी नज़र में।

- शुचि 'भवि'

उठी दीवार आंगन में

बहन आसु बहाती है अगर माँ बीच में होती तो बटवारा नहीं होता। खुदा का घर दिलों में है ये ईसाई जान लेता गर न मंदिर मस्जिदें होतीं ओ मुद्गरा नहीं होता।

- सतीश मैथिल तनुज



भारती की शान बन भारतीय आन बन बन राज भाष हर घर मुस्का रही। सूर, तुलसी, कबीर या वो हिंद के हों और राज भाषा हिंद की ही सबको लुभा रही। गाओ गान हिन्द वासी, राष्ट्र के तुमही हो

वासी भेद जैसे हिन्दी भाषा दिल के भुला रही। साथ साथ मिल चलो सीरिता समान बहो जैसे हिन्दी भाषा साथ सबको बहा रही।

- रानी इंदु

QUIZ TIME

- भारत में प्रवेश करने के बाद कर्णाली नदी को किस नाम से जाना जाता है?
- किस शहर में एक सड़क का नाम बदलकर डोनाल्ड ट्रम्प एवेन्यू रखा गया?
- दुनिया की पहली न्यूक्लियर प्रोसेस हीट-आधारित हाइड्रोजन उत्पादन सुविधा किस देश ने शुरू की है?
- लद्दाख का पहला हेरिटेज विलेज किस घोषित किया गया है?
- एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में भारत की विथ्या रामराज ने कौन-सा पदक जीता?

उत्तरमाला- (1) घाघरा नदी | (2) हैदराबाद | (3) भारत | (4) कुमिक | (5) कांस्य



पहेली



रेत खनन ठेका निरस्त कराने की याचिका खारिज, याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये जुर्माना

नवप्रदेश/जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ की न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने शहडोल और सिंगरोली में रेत खनन का ठेका संचालित करने वाली सहकार ग्लोबल लिमिटेड के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। खंडपीठ ने पाया कि निजी व्यावसायिक विवाद को लेकर न्यायालय की प्रक्रिया का इस्तेमाल किया गया। वहीं प्रतिवादी कंपनी के अधिवक्ता के खिलाफ लगाए गए आरोप भी जांच में सही नहीं पाए गए।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को भविष्य में दूसरे पक्ष के खिलाफ ऐसे आरोप लगाने से बचने की चेतावनी दी, जिनका उद्देश्य न्यायालय की धारणा को प्रभावित करना हो।

17 फर्जी ई-ट्राजिट पास जारी करने का आरोप....

सीधी निवासी व्यवसायी मनीष सिंह ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सहकार ग्लोबल लिमिटेड के खिलाफ जांच कराने और उसका खनन अनुबंध निरस्त करने की मांग की थी। कंपनी को शहडोल और सिंगरोली जिलों में रेत के खनन, भंडारण, परिवहन और बिक्री के लिए



माइन डेवलपर-कम-ऑपरेटर नियुक्त किया गया था। याचिकाकर्ता का आरोप था कि

कंपनी ने उसके ट्रक के नाम पर 17 कथित फर्जी ई-ट्राजिट पास (ईटीपी) जारी किए। याचिकाकर्ता के अनुसार

संबंधित वाहन तकनीकी खराबी के कारण करीब एक महीने से बंद था। इसी आधार पर कंपनी के खिलाफ कार्रवाई और उसका अनुबंध निरस्त करने की मांग की गई थी।

कंपनी के अधिवक्ता पर लगाए जांच में आरोप सही नहीं पाए गए...

प्रधान रजिस्ट्रार (न्यायिक) की 22

अगस्त 2026 की जांच रिपोर्ट में प्रतिवादी के अधिवक्ता शोएब हसन खान के खिलाफ लगाए गए आरोप सही नहीं पाए गए। इसके बाद हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ की गई प्रतिकूल टिप्पणियां वापस लेते हुए जांच की कार्यवाही समाप्त कर दी। खंडपीठ ने मामले की परिस्थितियों को देखते हुए याचिका को स्वीकार करने का आधार नहीं पाया और इसे खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ और राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने न्यायालय के समक्ष पक्ष रखा।

कॉम्बिंग गश्त में 224 वारंट तामील, 24 अवैध शराब कारोबारी गिरफ्तार



जबलपुर। अपराधों की रोकथाम और कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर पुलिस ने शनिवार रात जितेभर में व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। रात 9 बजे से रविवार तड़के 2 बजे तक चली कार्रवाई में पुलिस टीमों ने लंबे समय से फरार आरोपियों और वारंटियों की धरपकड़ के साथ अवैध शराब तथा हथियारों के खिलाफ भी कार्रवाई की।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 112 गैर-जमानती वारंट, 83 गिरफ्तारी वारंट और 29 जमानती वारंट, कुल 224 वारंट तामील किए। इनमें कई आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त में बच रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 7

बोतल, 96 पाव देशी-विदेशी शराब तथा 47 लीटर कच्ची शराब जप्त की गई। इसी दौरान चाकू लेकर घूम रहे 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4 चाकू भी जब्त किए गए। पुलिस टीमों ने कॉम्बिंग गश्त के दौरान सक्रिय गुंडे-बंदमाराओं की भी जांच की। देर रात आने-जाने वाले लोगों से पृष्ठताछ की गई तथा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखाना सहित अन्य सवेदनशील स्थानों पर सदिध व्यक्तिों और वाहनों की जांच की गई।

अभियान के लिए शहर और देहात के थानों में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। प्रत्येक टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी, उप निरीक्षक या सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों ने किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अपराधियों और असमाजिक तत्वों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

जबलपुर की देवी प्रतिमाओं की अलग पहचान, तीन राज्यों से आ रही बुकिंग

नवप्रदेश/जबलपुर।

शारदीय नवरात्र के करीब आते ही संस्कारधानी में आस्था के साथ-साथ पारंपरिक मूर्तिकला का रंग भी गहराने लगा है। शहर की विभिन्न मूर्ति निर्माण कार्यशालाओं में इन दिनों दिन-रात मिट्टी से देवी प्रतिमाओं को आकार देने का काम चल रहा है। हाथों की कारीगरी, चेहरे की भाव-भंगिमा और बारीक सजावट के लिए पहचान बना चुके जबलपुर के मूर्तिकारों की प्रतिमाओं की मांग मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक बनी हुई है।

नवरात्र के लिए शहर में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों के साथ महिषासुर मर्दिनी, भव्य दरबारी स्वरूप और मां काली की प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। बाहर के जिलों से उत्सव समितियों के पदाधिकारी पहले ही प्रतिमाओं की बुकिंग करा चुके हैं। अब समितियां अपने वाहनों के साथ प्रतिमाएं लेने जबलपुर पहुंच रही हैं।



सतना से रायपुर तक पहुंच रही जबलपुर की प्रतिमाएं

जबलपुर की मूर्तियों की मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सतना, रीवा, अशोकनगर, नर्मदापुरम, रायपुर, बांदा, नरसिंहपुर, गाडवावा, करेली, गोटगांव, कटनी, दुर्ग, भिलाई, गुना, मुगावली, सिवनी और शहडोल सहित कई शहरों से समितियां प्रतिमाएं लेने पहुंच रही हैं। कई समितियां महीनों पहले ही अपनी पसंद के स्वरूप, आकार और डिजाइन

के अनुसार प्रतिमाओं की बुकिंग करा देती हैं। इसके बाद मूर्तिकार उसी अनुरूप प्रतिमा को तैयार करते हैं। नवरात्र नजदीक आने के साथ अब कार्यशालाओं में अंतिम चरण का काम तेजी से चल रहा है।

हाथों की नवकाशी से उभर रही देवी की मुखाकृति

जबलपुर की मूर्तिकला की खासियत यहां की पारंपरिक कारीगरी मानी जाती है। कलाकार मिट्टी को आकार देने से लेकर देवी की मुखाकृति तैयार करने

गोरखपुर और पनागर में रगदारी की वारदात

नवप्रदेश/जबलपुर।

शहर में शराब पीने के लिए रुपए मांगने और रुपए नहीं देने पर मारपीट करने के दो मामले सामने आए हैं। गोरखपुर थाना क्षेत्र में तीन युवकों ने शराब पीने के लिए रुपए मांगे और मना करने पर युवक के साथ मारपीट कर दी। वहीं पनागर में दुकान से सामान लेने के बाद रुपए मांगने पर तीन युवकों ने दुकानदार के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट: थाना गोरखपुर में अमन मरावी उम्र 18 वर्ष निवासी टेंडर 01 मांडवा रामपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह फनीचर का काम करता है। दिनांक 3 अक्टूबर की रात करीब 11.30 बजे वह मांडवा में खड़ा होकर अपने भाई विवेक का इंतजार कर रहा था, तभी रवि केवट, तनु उर्फ अनुज और आयुष विनोदिया उर्फ लपरा वहां पहुंचे और शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगे।

अमन ने रुपए देने से मना किया तो तीनों गाली-गलौज करने लगे। गाली देने से मना करने पर रवि केवट और तनु उर्फ अनुज ने हाथ-घूंसें से मारपीट शुरू कर दी, जबकि आयुष उर्फ लपरा ने डंडे से हमला कर दिया।

मारपीट में अमन के माथे के बायीं तरफ, पेट और पीठ में चोटें आईं। वहीं पास में खड़े अनमोल सिंह और सुमन ठाकुर ने बीच-बचाव किया। इसके बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। रिपोर्ट पर गोरखपुर पुलिस ने धारा 296 बी, 118(1), 119(1), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

समाना का पैसा मांगा तो दुकानदार को मारा: थाना पनागर में शुभम पटेल उम्र 19 वर्ष निवासी सिंधी कॉलोनी पनागर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम तिवारीखेछ में जायका ढाबा के सामने उसके जेजा रानु पटेल की चाय-पान की दुकान है, जहां वह बैठता है। 3 अक्टूबर की शाम करीब 7.30 बजे वह दुकान पर था, तभी रोहित केवट उर्फ जान, निक्की उर्फ निखिल केवट और अंकुश उर्फ बेटू केवट दुकान पर आए। तीनों ने दुकान से दो सिगरेट, 60 रुपए वाली एक राजश्री और नमकीन का पैकेट लिया, जिसकी कीमत 80 रुपए थी। बिना रुपए दिए जाने लगे तो शुभम ने उनसे पैसे देने को कहा। आरोप है कि इस पर निक्की उर्फ निखिल केवट ने कहा कि वे लोग पैसे नहीं देते, बल्कि पैसे लेते हैं और शुभम से 500 रुपए की मांग करने लगे।

70 वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

जबलपुर। 70वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन आज 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक कलेक्टर रावबंद्र सिंह की अध्यक्षता में किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में जूडो 14, 17, 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग एवं गतका 17, 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग का आयोजन किया जाना है. उद्घाटन कार्यक्रम आज 5 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3 बजे एमएलबी स्कूल परिसर जबलपुर में संपन्न होगा. जहां 9 संभागों से चर्यनित लगभग 700 बालक -बालिका, ऑफिशियल्स सहभागिता करेंगे. उद्घाटन एवं समापन समारोह में विभिन्न शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति भी की जाएगी.

617 दिन की देरी का संतोषजनक कारण नहीं बता सकी सरकार, दो रिट अपील खारिज

दैनिक वेतनभोगियों के नियमितीकरण मामले में सरकार को झटका

नवप्रदेश/जबलपुर।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जलपुर पीठ की न्यायमूर्ति विवेक रूसिया एवं न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण से जुड़े मामले में राज्य सरकार और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की दोनों रिट अपीलें खारिज कर दीं। खंडपीठ ने पाया कि सरकार ने अपील दाखिल करने में हुई 617 दिन की देरी का संतोषजनक कारण प्रस्तुत नहीं किया। साथ ही, जिन दस्तावेजों के आधार पर कर्मचारियों को नियमितीकरण के लिए अपात्र बताया गया, वे भी अदालत के समक्ष पेश नहीं किए गए।

अदालत ने महत्वपूर्ण मामलों में जवाब दाखिल करने और अपील प्रस्तुत करने के दौरान बरती गई लापरवाही एवं आधे-अधूरे रवैये पर गंभीर चिंता जताते हुए महाधिवक्ता कार्यालय को अपनी कार्यप्रणाली पर आत्ममंथन करने की नसीहत दी।

मामला उन दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों से संबंधित है, जिन्होंने 12 नवंबर 1991 से लगातार सेवा करने के आधार पर नियमितीकरण की मांग की थी। रिट कोर्ट ने 31 जुलाई 2024



को कर्मचारियों के मामलों पर 20 फरवरी 2009 को गठित समिति की अनुशंसाओं के आधार पर विचार करने का निर्देश दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने 617 दिन की देरी से रिट अपीलों दायर कीं। देरी माफ करने के लिए आवेदन भी प्रस्तुत किया गया, लेकिन सरकार देरी के लिए ऐसा ठोस आधार प्रस्तुत नहीं कर सकी, जिसे हाईकोर्ट स्वीकार कर सके।

2677 कर्मचारियों की जांच का दावा: सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण में कार्यरत

2677 दैनिक वेतनभोगियों के मामलों की जांच की गई थी। इनमें से केवल 145 कर्मचारियों को नियमितीकरण के लिए पात्र पाया गया।

खंडपीठ ने जब यह जानना चाह कि संबंधित याचिकाकर्ताओं को किस आधार पर अपात्र माना गया, तो सरकार उस संबंध में आवश्यक दस्तावेज पेश नहीं कर सकी। जांच समिति की रिपोर्ट न तो रिट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई थी और न ही अपील की सुनवाई के दौरान उसे रिकॉर्ड पर लाया गया। इसके अलावा 2677 कर्मचारियों की वरिष्ठा सूची भी अदालत में पेश नहीं की गई।

सुनवाई के दौरान दस्तावेज पेश करने के लिए मांगा समय: जांच समिति की रिपोर्ट और वरिष्ठा सूची पेश नहीं किए जाने पर खंडपीठ ने सवाल उठाए। इस पर सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा।

अदालत ने इस रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि रिट याचिकाएं 15 साल से अधिक समय तक लंबित रहीं और सरकार को अपना पक्ष रखने के पर्याप्त अवसर मिले। इसके बावजूद आवश्यक दस्तावेज रिकॉर्ड पर नहीं लाए गए। अपील दाखिल करते समय भी सरकार अदालत के संभावित सवालों के लिए आवश्यक रिकॉर्ड तैयार नहीं रख सकी।

जीएडी की मंजूरी नहीं मिलने को देरी का आधार बताया: सरकार की ओर से 617 दिन की देरी के संबंध में बताया गया कि महाधिवक्ता कार्यालय की राय के बाद विभाग ने हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन की प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में सामान्य प्रशासन विभाग से अपील दायर करने की मंजूरी नहीं मिली। इसके बाद अवमानना याचिका की कार्यवाही और विभागीय राय लेने में समय लगा।

खंडपीठ ने इस स्पष्टीकरण को पर्याप्त नहीं माना। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामान्य प्रशासन विभाग की मंजूरी नहीं मिलना 617 दिन की देरी को माफ करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

विभागीय आदेश से भी सरकार की दलील पर उठे सवाल: कर्मचारियों शैलेन्द्र गुहा और राकेश अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता अशोक कुमार गुप्ता ने 13 मई 2026 का विभागीय आदेश अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। इसमें विभाग ने स्पष्ट किया था कि 20 फरवरी 2009 की परामर्शदात्री समिति की अनुशंसा को वर्ष 2007 के विभागीय परिपत्र के तहत गठित छनबीन समिति की अनुशंसा मानना गलतफहमी है।कर्मचारियों की ओर से आरिफ हुसैन फाकरी के नियमितीकरण संबंधी 27 सितंबर 2024 का आदेश भी अदालत के समक्ष रखा गया। यह आदेश हाईकोर्ट के निर्देश के अनुपालन में जारी किया गया था।खंडपीठ ने कहा कि महत्वपूर्ण मामलों में जवाब दाखिल करने और अपील प्रस्तुत करने का लापरवाह एवं आधा-अधूरा रवैया गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में राज्य सरकार के पक्ष को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

ऑंकारेश्वर में नाव के इंजन में लगी आग : 5-6 यात्रियों को दूसरी नाव में किया शिफ्ट



ऑंकारेश्वर,एजेंसी। तीर्थनगरी ऑंकारेश्वर में गुरुवार सुबह करीब 11 बजे गोमुख घाट के सामने नर्मदा नदी में चल रही नाव के इंजन में अचानक आग लग गई। नाव में आग की लपटें उठते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। नाविक ने तुरंत करीब 5-6 यात्रियों को दूसरी नाव में शिफ्ट किया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार नाव क्रमांक 198 में होंडा कंपनी का पेट्रोल इंजन लगा था। नर्मदा में नाव चल रही थी, तभी अचानक इंजन से आग की लपटें उठने लगीं। कुछ ही देर में आग तेज हो गई। नाविक ने सुझबुझ दिखाते हुए यात्रियों को सुरक्षित दूसरी नाव में पहुंचाया।नाव का इंजन जब्त कर जांच के निर्देश घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर परिषद के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया। सीएमओ मोनिका पारधी ने नाव के इंजन को जब्त कर उसकी जांच कराने के निर्देश दिए हैं। नगर परिषद के आरआई जितेंद्र गोहे भी घटना की जांच कर रहे हैं।पहले भी सामने आ चुकी हैं नाव में आग की घटनाएं ऑंकारेश्वर में पिछले कुछ महीनों में ब्रह्मपुरी घाट समेत अन्य स्थानों पर नावों में आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। लगातार हो रही घटनाओं के बाद पेट्रोल इंजन, ईंधन व्यवस्था और नावों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस घटना में समय रहते यात्रियों को दूसरी नाव में पहुंचा दिया गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

सीहोर में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत



सीहोर,एजेंसी। सीहोर के इछवर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 21 साल के युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम रूपड़ी निवासी रामनारायण (21) अपनी बाइक से घर लौट रहा था। तभी रास्ते में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि रामनारायण ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। राहगीरों की सूचना पर इछवर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया और मर्ग दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अब आसपास के लोगों से पूछताछ और रास्ते के सीसीटीवी फुटेज के जरिए टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की पहचान करने में लगी है।

बागेश्वर धाम से 20 वर्षीय युवक 13 दिन से लापता



छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर के बागेश्वर धाम से 20 साल का युवक लापता हो गया है। जानकारी के अनुसार, नीरज उर्फ चिंटू बुलंदशहर का रहने वाला है। वह 19 सितंबर को दोपहर करीब 12:30 बजे बालाजी के दर्शन करने मंदिर गया था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। नीरज अपने पिता कैलाश चंद्र के साथ 18 सितंबर को बागेश्वर धाम में अजी लगाने आया था, क्योंकि उसकी तबीयत खराब रहती थी। परिवार के सदस्य मिलकर ढूँढने में जुटे नीरज की बहन प्रियंका बेदी ने बताया कि परिवार ने बागेश्वर धाम, आसपास के इलाकों और रिशतेदारों के यहां भी उसे खोजा, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। परिवार के सदस्य छतरपुर जिले में भी उसकी तलाश कर रहे हैं। प्रियंका ने बमीठा थाने में कई बार गुमशुदगी की सूचना दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब उसने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर भाई की गुमशुदगी दर्ज कर जल्द खोजने की मांग की है।

सेवा सेतु शिविर में हजारों पात्र हितग्राहियों को मिला विभिन्न योजनाओं का लाभ

ग्वालियर। मध्य प्रदेश शासन के सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम के सभी 25 क्षेत्रीय कार्यालयों में सेवा सेतु शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में नागरिकों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ हजारों पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। सभी जॉन पर 5267 का आवेदन विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त किए गए।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय सेवा सेतु शिविर का



शुभारंभ क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 18 गोरखी में मध्य प्रदेश के उद्यानिकी एवं सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा तथा पूर्व पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों और कर्मचारियों ने हितग्राहियों के दस्तावेजों एवं पात्रता की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया। क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 14 में कलेक्टर रश्मिका चौहान ने सेवा सेतु शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक देरी न हो और पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शहर के अन्य

सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शिविर शुरू किए गए। यहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी ली। अधिकारियों और कर्मचारियों ने हितग्राहियों के दस्तावेजों एवं पात्रता की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाया। क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 14 में कलेक्टर रश्मिका चौहान ने सेवा सेतु शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले सभी पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक देरी न हो और पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। शहर के अन्य

सेवा सेतु शिविर में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त हुए 5267 आवेदन

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु शिविर के तहत आज मध्य प्रदेश शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कल्याणी पेंशन, निशक्त पेंशन, भवन निर्माण श्रमिक, सबल योजना, पीएम स्व निधि लोन, राशन कार्ड, गरीबी रेखा आवेदन, महिला बाल विकास, लाडली लक्ष्मी योजना सहित लगभग दो दर्जन योजनाओं के तहत नगर निगम सीमा अंतर्गत 5267 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से अनेक आवेदनों का निराकरण मौके पर ही किया गया तथा शेष आवेदनों को निराकरण के लिए कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।

शासकीय योजनाएं लोगों के जीवन में ला रही हैं सकारात्मक बदलाव : विधायक मनीषा सिंह

शहडोल। सेवा सेतु अभियान के तहत रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का विधायक मनीषा सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्टॉलों पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन, पात्र हितग्राहियों तथा उन्हें मिल रहे लाभ की स्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसी उद्देश्य से निरंतर अभियान एवं शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी सीधे आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं, छोटे व्यापारियों एवं स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक सहायता तथा आवश्यक सहयोग प्रदान कर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। विधायक ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा पात्रतानुसार उनका लाभ लें। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर आमजन और शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखकर उनका यथासंभव निराकरण भी करा सकते हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में नगर पालिका शहडोल, आजीविका मिशन, उद्योग विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं, स्वरोजगार, आजीविका, उद्यमिता एवं अन्य जनकल्याणकारी सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई।



दुष्कर्म के आरोपी को उम्रकैद:रतलाम में शादी का झांसा देकर किया था रेप, जाति अलग होने की बात कहकर मुकरा

रतलाम,एजेंसी। शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के मामले में रतलाम की विशेष अदालत ने 22 साल के युवक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर कुल 2 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। फैसला विशेष न्यायाधीश रविंद्र प्रताप सिंह चुंडावत ने सुनाया।

मामला जनवरी 2024 का है। अभियोजन के मुताबिक, पीड़िता उस समय एक ट्रैक्टर शोरूम में काम करती थी। इसी दौरान उसकी पहचान धार जिले के घाटा बिल्लोद निवासी जगमोहन से हुई। दोनों की WhatsApp पर बातचीत होने लगी। जगमोहन ने पीड़िता को बताया था कि वह रतलाम में बजाज फाइनेंस कंपनी में काम करता है। 29 जनवरी 2024 को उसने फोन कर पीड़िता को जावरा से रतलाम बुलाया।

क्रिए के मकान में ले जाकर दुष्कर्म का आरोपअभियोजन के मुताबिक, जगमोहन पीड़िता को रतलाम के एक



क्रिए के मकान में ले गया। वहां शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद 20 जून 2024 को भी पीड़िता को बुलाकर दुष्कर्म करने का आरोप है।

जाति के नाम पर शादी से इनकार किया

अभियोजन के अनुसार, जगमोहन को पहले से पता था कि पीड़िता अनुसूचित जाति से है। पीड़िता ने शादी के लिए कहा तो उसने जाति का हवाला देते हुए शादी करने से मना कर दिया।

आरोप है कि जगमोहन ने उसे धमकी भी दी थी कि अगर उसने परिवार को

घटना के बारे में बताया तो वह उसे जान से खत्म कर देगा। इससे पीड़िता डर गई और कुछ समय तक उसने किसी को जानकारी नहीं दी।

बाद में उसने अपनी मां और बहन को पूरी घटना बताई। इसके बाद स्टेशन रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

गवाहों और दस्तावेजों के आधार पर कोर्ट ने सजा सुनाई: पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने गवाह और दस्तावेज पेश किए। इन्हीं के आधार पर कोर्ट ने जगमोहन को दोषी माना। जगमोहन (22), पिता ओमप्रकाश जोशी, निवासी गणेश नगर, घाटा बिल्लोद, थाना सरदापुर, जिला धार को आजीवन कारावास की सजा दी गई। कोर्ट ने उसे 1,000-1,000 रुपए का जुर्माना लगाया। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक योगेश कुमार तिवारी ने पैरवी की।

क्षेत्रीय पत्रकारिता से भारत में प्रिंट मीडिया की सकारात्मक वृद्धि : स्नेहाशीष सुर

इंदौर।

कोलकाता प्रेस क्लब के अध्यक्ष स्नेहाशीष सुर ने कहा कि दुनिया के कई देशों में प्रिंट मीडिया नकारात्मक वृद्धि से जूझ रहा है, जबकि भारत में क्षेत्रीय पत्रकारिता के कारण प्रिंट मीडिया सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के पत्रकार लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। क्षेत्रीय पत्रकारिता जितनी मजबूत होगी, लोकतंत्र भी उतना ही सशक्त होगा। वे रविवार को स्टेट प्रेस क्लब, मद्रास आयोजित भारतीय पत्रकारिता



महोत्सव के समापन सत्र में संबोधित कर रहे थे। सत्र में मीडिया की आर्थिक चुनौतियों, पत्रकारों की सुरक्षा, मीडिया की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय मीडिया नीति की जरूरत पर भी चर्चा हुई। चंडीगढ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष सीरभ दुगल ने कहा कि अखबार की कीमत और उसकी वास्तविक लागत के बीच का अंतर विज्ञापन से मिलने वाली आय से पूरा होता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अखबार और न्यायपालिका आज भी जनता के भरोसे के प्रमुख आधार हैं। छोटे पत्रकार आज सबसे अधिक संघर्ष कर रहे -लाहिड़ी : फेडरेशन ऑफ प्रेस क्लब के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी ने कहा कि छोटे पत्रकार आज सबसे अधिक संघर्ष कर रहे हैं। देशभर के प्रेस

जंगल में 3 हजार लीटर अवैध महुआ लहान पकड़ा

धावड़िया-गुंजागरी के बैकवाटर किनारे दो जगह 3 लाख रुपए का लहान नष्ट

ऑंकारेश्वर,एजेंसी। मांथाता पुलिस ने गुरुवार शाम को धावड़िया और गुंजागरी के बैकवाटर किनारे जंगल में दो स्थानों पर तैयार किए जा रहे करीब 3 हजार लीटर महुआ लहान को नष्ट किया। लहान की अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जंगल और बैकवाटर के सुनसान इलाकों का फायदा उठाकर अवैध महुआ शराब बनाने के अड़े चलाए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। वहां प्लास्टिक और लोहे के करीब 20 से 22 छोटे-बड़े ड्रम मिले, जिनमें महुआ लहान भरा हुआ था। पुलिस ने तत्काल मौके पर पंचनामा बनाकर पूरे लहान को नष्ट कराया। पुलिस की भनक लगते ही भागे आरोपी दबिश के दौरान पुलिस के आने की भनक लगते ही अड्डों पर मौजूद लोग घने जंगल और बैकवाटर का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने आसपास के इलाके में काफी तलाश की, लेकिन कोई हाथ नहीं आया। पुलिस का कहना है कि इन संदिग्ध इलाकों में निरासानी और बढ़ा दी गई है ताकि दोबारा ऐसे अवैध काम न हो सकें।

वनकर्मियों की गाड़ी को टक्कर मारने की कोशिश

लकड़ी माफिया ने दो बार कार अड़ाई, पीछा किया तो ट्रैक्टर-ट्रॉली भी छोड़कर भागे

राजगढ़,एजेंसी। राजगढ़ में लकड़ी माफिया ने वनकर्मियों को कार से कुचलने की कोशिश की। टीम ने ऐन वक़्त पर अपनी गाड़ी मोड़कर खुद को बचाया। पीछा करने पर आरोपी लकड़ी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार को छोड़कर भाग निकले।

मामला माचलपुर-गोघटपुर रोड पर गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे का है। इसका वीडियो शुक्रवार सुबह सामने आया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में ले जा रहे थे लकड़ी: डीएफओ वैणी प्रसाद दोतानीय ने बताया कि विभाग की टीम रूटीन गश्त पर थी।

इसमें वनपाल राजू गुर्जर, फॉरेस्ट गार्ड भानु प्रताप सिंह, हेमराज कुशवाहा और ड्राइवर रामबाबू गुर्जर शामिल थे। इसी दौरान माचलपुर-गोघटपुर रोड पर उन्हें बिना नंबर की लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली देखी। उसके साथ ही कार नंबर RJ01 CD 3898 भी चल



रही थी।कार से दो बार टक्कर मारने की कोशिश वनकर्मियों ने अपनी बोलेरो गाड़ी से ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किया। उसे ओवरटेक करते हुए रुकने का इशारा किया लेकिन ड्राइवर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं रोकी। इसी दौरान उसके साथ चल रही कार के ड्राइवर ने वन विभाग की बोलेरो को टक्कर मारने की कोशिश की। टीम अपनी गाड़ी मोड़कर टक्कर से बची। ड्राइवर दोबारा कार मोड़कर उनकी तरफ आया। इस बार भी टीम

ने अपनी गाड़ी को बचा लिया। अंधेरे में भाग निकले सभी आरोपी: इसके बाद लकड़ी माफिया ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और कार राजस्थान की तरफ दौड़ा दी। वन विभाग की टीम ने उनका पीछा किया तो माफिया दोनों वाहन छोड़कर अंधेरे में भाग गए।फॉरेस्ट टीम ने दोनों गाड़ियों को जब्त कर माचलपुर थाने में खड़ा कर दिया है। केस दर्ज कर आरोपियों के बारे में जानकारी निकाली जा रही है।

मंत्री तोमर ने किया सेवा संकल्प अभियान के तहत 51 पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

ग्वालियर। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उप नगर ग्वालियर के भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों का सम्मान किया। मंत्री तोमर के रेसकोर्स रोड स्थित 38 नम्बर कार्यालय पर आयोजित इस समारोह में देश की सरहद्दों की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपुतों की वीरांगनाओं, उनके परिजनों एवं पूर्व सैनिकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर योगेन्द्र सिंह तोमर, प्रमोद परमार,



शैलेन्द्र सिंह सिकरवार, लवी खंडेलवाल, महेश सिंह भटौरिया, अरुण बाजपेयी सहित वरिष्ठ नेता एवं

कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने वीर सैनिकों से जुड़ी स्मृतियों एवं वीर

गाथाओं को साझा करते हुए राष्ट्र सेवा में सैनिकों के योगदान को अनुकरणीय बताया। समारोह के दौरान ऊर्जा मंत्री ने 51 वीर सपुतों को शॉल और श्रीफल भेंट कर उनके त्याग, समर्पण एवं देश के प्रति योगदान को नमन करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व सैनिकों ने भी अपने अनुभव साझा किए तथा सैनिकों एवं उनके परिवारों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। सेवा संकल्प अभियान के तहत उप नगर ग्वालियर में समाज के विभिन्न वर्गों के सम्मान, कल्याण एवं जनसेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में आयोजित इस समारोह के माध्यम से वीर सैनिकों एवं उनके परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता को भावना को अभिव्यक्त किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर रविवार को उप नगर ग्वालियर के न्यू कॉलेजी स्थित नवीन पार्क में राजा मानसिंह तोमर मंडल द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

प्रकृति के संरक्षण के लिए पौधा रोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेना भी हम सभी का दायित्व है। इस अवसर पर भाजपा जिला, मंडल पदाधिकारी सहित नगर निगम पाषंद गण तथा भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि आज के समय में बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापवृद्धि) से बचने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि अधिक से अधिक पौधे लगाए और उनकी देखभाल करें। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना केवल सरकारों का नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक कर्तव्य है। केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी उसी प्रकार देखभाल करने का संकल्प लिया जाता है, जैसे एक माँ अपने बच्चे की करती है। ऊर्जा मंत्री ने आह्वान किया कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर शुद्ध हवा, तापमान में कमी और अपने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित व हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करें।

भारत पर बढ़ा वैश्विक भरोसा, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास क्षमता से निवेशकों की पसंद बना

नई दिल्ली। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2026 में दुनिया भर से आए अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों ने रविवार को वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक चुनौतियों के बीच देशों की आर्थिक मजबूती बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में भारत की विकास संभावनाओं, वैश्विक व्यापार व्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु जोखिमों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

स्वीडिश अर्थशास्त्री एरिक बर्गलोफने बातचीत में कहा कि वह इस सम्मेलन से इसकी शुरुआत से जुड़े रहे हैं और समय के साथ



इसकी गुणवत्ता तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि इस बार पहले की तुलना में कहीं अधिक देशों और प्रतिनिधियों की भागीदारी देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां अत्यधिक अनिश्चित हैं और इसी संदर्भ में सम्मेलन की चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा

कि ऊर्जा, व्यापार और आपूर्ति शृंखलाओं से जुड़े जोखिमों के बीच अर्थव्यवस्थाओं को अधिक लचीला और सक्षम बनाने पर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। एरिक बर्गलोफ ने कहा, भारत की विकास संभावनाएं मजबूत हैं और कोविड-19 के बाद देश ने प्रभावशाली आर्थिक गति हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत की

अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की क्षमता बनी हुई है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भारत समेत कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने आम लोगों और कारोबारों को राहत देने के प्रयास किए हैं, लेकिन इससे राजकोषीय दबाव भी बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकटों के बीच विकास गति बनाए रखना नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है। इसके अलावा, ब्राजील स्थित क्लाइमेट पॉलिसी इनिशिएटिव के कार्यकारी निदेशक जुलियानो असुन्साओ ने कहा कि आज दुनिया जिस सबसे बड़े साझा

जोखिम का सामना कर रही है, वह जलवायु परिवर्तन है। उन्होंने कहा, जलवायु संकट किसी एक देश का मुद्दा नहीं है और इससे निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी होगा। भारत और ब्राजील न केवल जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना कर रहे हैं, बल्कि समाधान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। जुलियानो असुन्साओ ने आगे कहा कि भारत और ब्राजील के बीच ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से पहले से कई संस्थागत संबंध मौजूद हैं। इसके अलावा भारतीय कंपनियों का ब्राजील में निवेश भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के सामने विकास, जलवायु, कृषि और सतत आर्थिक वृद्धि

जैसी कई समान चुनौतियां हैं। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाएं और अधिक मजबूत हो सकती हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के अर्थशास्त्री प्रो. जॉन गिब्सन ने बात करते हुए कहा कि कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि यहां केवल भारत ही नहीं, बल्कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया में बढ़ती अनिश्चितता और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था पर बढ़ते दबाव के बीच मुक्त व्यापार

समझौते (एफटीए) स्थिरता प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नियम-आधारित और अधिक व्यवस्थित आर्थिक सहयोग का उदाहरण है। इसके साथ ही, जापान के इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइकॉनॉमिक्स के निदेशक काजुतो सुजुकी ने कहा कि आज के दौर में अर्थव्यवस्था, भू-राजनीति और जियाइकॉनॉमिक्स एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव की विशेषता यही है कि यह केवल आर्थिक मुद्दों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उन भू-

राजनीतिक कारकों पर भी चर्चा करता है जो आर्थिक फैसलों को प्रभावित करते हैं। काजुतो सुजुकी ने कहा कि चीन के साथ जटिल संबंधों के चलते जापानी उद्योग लंबे समय से भारत को एक महत्वपूर्ण और संभावनाओं से भरे बाजार के रूप में देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में जापानी कंपनियां भारत में निवेश अवसर तलाश रही हैं और देश को दीर्घकालिक विकास एवं विनिर्माण केन्द्र के रूप में देख रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत की बाजार क्षमता, जनसांख्यिकीय ताकत और आर्थिक विस्तार की संभावनाएं विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं।

भाजपा ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से कोयल मल्लिक को बनाया राज्यसभा उम्मीदवार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। भाजपा ने उत्तराखंड से दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रश्मिणी मल्लिक (कोयल मल्लिक) को उम्मीदवार बनाया है। दिनेश आर्य उत्तराखंड में राज्यस्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष (दर्जा राज्यमंत्री), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के जनसंपर्क अधिकारी, भाजपा के नैनीताल के पूर्व जिलाध्यक्ष और अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री रह चुके हैं।

वहीं, रश्मिणी मल्लिक अभिनेत्री और राजनेता हैं, जिन्हें पेशेवर तौर पर कोयल मल्लिक या सिर्फकोयल के नाम से जाना जाता है। उन्हें मुख्य रूप से बंगाली फ़िल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। रश्मिणी मल्लिक टीएमसी से राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की 1 सीट पर द्विवार्षिक चुनाव होंगे जबकि पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव होगा। इन सभी सीटों पर 16 अक्टूबर को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 11 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर 2026 में खत्म हो रहा है। इसकी वजह से इन सीटों पर चुनाव कराया जा रहा है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल में एक सीट खाली हुई है। यहां से तुणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रश्मिणी मल्लिक ने 16 जुलाई को



इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 2 अप्रैल 2032 तक था। इसी खाली सीट को भरने के लिए उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग अनुसार, नामांकन भरने की आखिरी तारीख 6 अक्टूबर तक है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 9 अक्टूबर शुक्रवार तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते। मतदान 16 अक्टूबर को होगा। वोटिंग का समय सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। उसी दिन शाम 5 बजे वोटों की गिनती शुरू होगी। चुनाव की पूरी प्रक्रिया 19 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी।

चुनाव आयोग ने इस चुनाव के लिए एक खास नियम भी बताया है। वोट डालने के लिए बैलेट पेपर पर पसंद बताने के लिए केवल इंटिग्रेटेड वॉयलेट कलर के स्केच पेन का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह पेन रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा दिया जाएगा। किसी और पेन से वोट नहीं डाला जा सकेगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी और चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

आरबीआई की एमपीसी बैठक से पहले ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आसार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक अगले हफ्ते होने वाली है। बैठक से पहले अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सेंट्रल बैंक अब ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला शुरू कर सकता है। पहले दिसंबर में बढ़ोतरी की उम्मीद थी लेकिन अब इसे अक्टूबर में ही शुरू होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) के मुताबिक, बढ़ती ऊर्जा कीमतों, खाद्य महंगाई और चौतरफा महंगाई के दबाव के कारण अक्टूबर में 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की बढ़ोतरी संभव है जबकि पहले यह दिसंबर में अनुमानित थी। बीओएफए ने कहा, लागभग दो साल की मौद्रिक नरमी के बाद, आरबीआई



अक्टूबर एमपीसी में नीतिगत समर्थन वापस लेने के शुरुआती कदम उठाने के लिए तैयार दिख रहा है। ऐसे में हमें लगता है कि आरबीआई अक्टूबर एमपीसी में 25बीपीएस की दर से बढ़ोतरी करेगा।

एसबीआई रिसर्च ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय 25-बीपीएस की दर से बढ़ोतरी का जोखिम काफी बढ़ गया है। महंगाई का दायरा बढ़ना, वैश्विक हालात बिगड़ना, लिक्विडिटी की स्थिति और वैश्विक

स्तर पर जोखिमों का दोबारा मूल्यांकन, पहले से कार्रवाई करने की जरूरत को मजबूत कर रहा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 5 से 7 अक्टूबर तक होनी है, जिसमें बेंचमार्क रेपो रेट पर फैसला लिया जाएगा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल के दाम का जोखिम और वैश्विक जोखिमों के दोबारा मूल्यांकन को देखते हुए, हमारे लिए कर्व से पीछे रहने के बजाय पहले से ही कार्रवाई करना समझदारी होगी। महंगाई अब तेजी से बढ़ रही है। सीपीआई महंगाई अगस्त में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 4.45 प्रतिशत थी। मजबूत अल नीनो और अक्टूबर में सामान्य से कम बारिश रबी की पैदावार के लिए

और जोखिम पैदा कर सकती है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और वैश्विक स्तर पर बॉन्ड यील्ड बढ़ने से आरबीआई के लिए दरों को यथावत रखने की गुंजाइश कम हो गई है। बीएनपी पारिवा इंडिया की एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले कुछ हफ्तों में भारत का मैक्रो-आउटलुक कमजोर हुआ है, क्योंकि बेट वरूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चला गया है और अमेरिका के 10-साल के ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत की ओर बढ़ गए हैं। ग्लोबल ब्रोकरेज नोमुरा के विश्लेषकों के अनुसार, आरबीआई मौजूदा साइकिल में ब्याज दरों में बढ़ोतरी को 25-50 बेसिस पॉइंट्स तक ही सीमित रख सकता है, जबकि बाजार इससे ज्यादा सख्ती की उम्मीद कर रहा है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट और हॉकी के मैचों ने तोड़े व्यूअरशिप रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के इतिहास में भारत-पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट फाइनल और पुरुष हॉकी सेमीफाइनल सबसे अधिक देखे जाने वाले मुकाबले रहे। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आइची-नागोया खेलों में खिलाड़ियों के 'सर्वश्रेष्ठ माहौल' उपलब्ध कराया गया, जिसका प्रमाण 212 रिकॉर्ड हैं। भारत ने काकामिगाहारा के गिफू प्रांतीय ग्रीन स्टैडियम में पुरुष हॉकी के सेमीफ़ाइनल में पाकिस्तान को 4-3 से हराया। इसके बाद भारत ने



फ़इनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारत ने पुरुष क्रिकेट के फ़इनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया। ओसीए

कई रिकॉर्ड टूटे

मॉडल था। हा, भविष्य में इस पर विचार किया जा सकता है।" ओसीए के महानिदेशक हुसैन अल-मुसल्लम ने कहा कि आइची-नागोया खेलों के दौरान 54 विश्व रिकॉर्ड, 11 जूनियर विश्व रिकॉर्ड, 89 एशियाई रिकॉर्ड और 212 एशियाई खेल रिकॉर्ड टूटे। उन्होंने कहा, "यह उपलब्धि आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाए गए सर्वश्रेष्ठ माहौल के बिना संभव नहीं थी।" हुसैन ने कहा, "अगर खिलाड़ी अच्छी नींद नहीं लेते, अच्छा खाना नहीं खाते और उनके लिए अच्छी परिवहन व्यवस्था नहीं होती तो वे प्रदर्शन नहीं कर सकते। हमें खुशी है कि आयोजन समिति पर कोई बड़ा वित्तीय बोझ नहीं पड़ा और नागोया या कहीं भी कोई ऐसी बड़ी स्थायी परियोजना नहीं बची जिसका बाद में उपयोग नहीं हो।"

समन्वय समिति के अध्यक्ष तैयब इकराम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "प्रसारण को खेलों के इतिहास में सबसे अधिक दर्शक मिले। इसके

खिलाड़ियों के आवास के बारे में उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों ने इसे काफी अच्छी तरह स्वीकार किया। यह अनुकूलन का विषय था। बड़े खेल गांव का बाद में कोई उपयोग नहीं होता, यह अलग मॉडल था। हा, भविष्य में इस पर विचार किया जा सकता है।" ओसीए के महानिदेशक हुसैन अल-मुसल्लम ने कहा कि आइची-नागोया खेलों के दौरान 54 विश्व रिकॉर्ड, 11 जूनियर विश्व रिकॉर्ड, 89 एशियाई रिकॉर्ड और 212 एशियाई खेल रिकॉर्ड टूटे। उन्होंने कहा, "यह उपलब्धि आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाए गए सर्वश्रेष्ठ माहौल के बिना संभव नहीं थी।" हुसैन ने कहा, "अगर खिलाड़ी अच्छी नींद नहीं लेते, अच्छा खाना नहीं खाते और उनके लिए अच्छी परिवहन व्यवस्था नहीं होती तो वे प्रदर्शन नहीं कर सकते। हमें खुशी है कि आयोजन समिति पर कोई बड़ा वित्तीय बोझ नहीं पड़ा और नागोया या कहीं भी कोई ऐसी बड़ी स्थायी परियोजना नहीं बची जिसका बाद में उपयोग नहीं हो।"

पीछे दो बड़े मुकाबले रहे। कल पाकिस्तान-भारत क्रिकेट मैच के अंतिम गिरक 22,421.95 पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार यह गिरावट बाजार में जारी करेक्शन के दौरे को दर्शाती है।

झारखंड की बेटियों का रांची एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत



■ एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर लौटीं

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में एशियन गेम्स 2026 में इतिहास रचने के बाद झारखंड की चार हॉकी चैंपियन बेटियां रविवार को जब रांची पहुंचीं, तो बिस्सा मुंडा एयरपोर्ट का माहौल किसी खेल मैदान की जीत का जश्न बन गया। हाथों में फूल-मालाएं, गुंजते डोल-नागाड़े और हर तरफ उठते जयकारों के बीच भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे, ओलंपियन निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग का जोरदार स्वागत किया गया।

जापान से बेंगलुरु होते हुए रांची पहुंचीं चारों खिलाड़ियों के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर हॉकी झारखंड के पदाधिकारी, प्रशिक्षक, खिलाड़ी, खेल प्रेमी और उनके परिजन पहले से मौजूद थे। जैसे ही खिलाड़ी बाहर आईं, वहां मौजूद लोगों ने डोल-नागाड़ों के साथ उनका अभिनंदन शुरू कर दिया। फूल-मालाओं और बुके से खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कई खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने हॉकी स्टिक उठाकर अपनी चैंपियन साधियों के प्रति सम्मान जताया। यह उत्साह उस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न था,

जिसने भारतीय महिला हॉकी को 44 साल बाद एशियन गेम्स का स्वर्ण दिलाया है। भारतीय टीम ने फ़इनल में चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफ़रता में झारखंड की चार खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सलीमा टेटे ने टीम की कप्तानी की, जबकि निक्की प्रधान, ब्यूटी डुंगडुंग और दीपिका सोरेंग ने भी स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा बनकर राज्य का गौरव बढ़ाया। एयरपोर्ट पर सबसे भावुक टेटे तब आया, जब लंबे इंतजार के बाद खिलाड़ियों की मुलाकात उनके परिजनों से हुई। बेटियों को सामने देखते ही परिवार के सदस्यों की खुशी चेहरे पर साफ़ दिखाई दी। खिलाड़ियों ने माता-पिता और अन्य परिजनों से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान कई भावुक पल भी देखने को मिले। इसके बाद हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने चारों चैंपियन बेटियों को मिश्रई खिलाकर बधाई दी। एयरपोर्ट परिसर लगातार नारों से गुंजता रहा। 'भारत माता की जय' और 'झारखंड की बेटियां जिंदबाद' के जयघोष के बीच खिलाड़ी भी अपनी चैंपियन साधियों के प्रति सम्मान जताया। यह उत्साह उस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न था,

साइबर हमलों से बैंकों के ग्राहकों का डेटा लीक

■ दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने दिए जांच के आदेश

सोल। दक्षिण कोरिया में हाल में हुए साइबर हमलों में हाना बैंक, केबी क्यूकमिन बैंक और शिनहान बैंक समेत कई वित्तीय कंपनियों के ग्राहकों की जानकारी लीक होने के मामले सामने आने के बाद रविवार को दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने संस्थानों पर हुए लगातार साइबर हमलों की पूरी जांच करने का आदेश दिया। इन हमलों में ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, राष्ट्रपति की प्रवक्ता कांग यू-जुंग ने एक प्रेस रिलीज में कहा, राष्ट्रपति ली को हाल में वित्तीय और सरकारी संस्थानों में हुए 'डेटा लीक और उनसे निपटने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने अधिकारियों

को इस मामले को गंभीरता से लेने, पूरी जांच करने और समस्या से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है। गुरुवार को शिनहान बैंक ने बताया कि उसके करीब 25 हजार ग्राहकों की निजी जानकारी लीक हुई है। इसमें ग्राहकों के नाम, फोन नंबर और सालाना आय जैसी जानकारीयां शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक, बैंक पर हमला करने वाले हैकरों ने एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूलस का इस्तेमाल किया था। हाना बैंक के 89 ग्राहकों की निजी जानकारी भी लीक होने का पता चला है। वहीं, वूरी बैंक और एनएच नॉइहाप बैंक को भी इसी तरह के साइबर हमलों में निशाना बनाने की कोशिश की गई। हालांकि, इन बैंकों ने अपने सिस्टम में बिना इजाजत दखल होने की कोशिश को रोक दिया, जिससे ग्राहकों की निजी जानकारी लीक नहीं हुई।

कारण इन खेलों की व्यवस्थाओं की आलोचना हुई। आयोजकों ने पारंपरिक खेल गांव की जगह करीब 17,000 खिलाड़ियों और अधिकारियों के रहने के लिए होटल के कमरों, अस्थायी लकड़ी के कटेरों और एक कूज जहाज का इस्तेमाल किया।



